Ans. (b) : प्रसिद्ध घोटिया अम्बा का मेला राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले से लगता है। घोटिया अम्बा को महाभारत काल के दौरान पांडवों के छुपने का स्थान माना जाता है। यहां प्रतिवर्ष चैत्रमास में एक विशाल मेला लगता है।

460. गोमती सागर पशु मेले का आयोजन निम्नलिखित में से किस स्थान पर होता है?

(a) बूंदी (b) कोटा
(c) उदयपुर (d) झालरापाटन

पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018
RPSC Van Rakshat Exam 13.11.2020 Shift-II

Ans. (d) : गोमती सागर पशु मेले का आयोजन झालरापाटन (झालावाड़) में होता है। यह मेला बैशाख शुक्ल त्रयोदशी से ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी तक लगता है। गोमती सागर पशु मेला मालवी नस्ल से संबंधित है। यह पशु मेला हड़ौती अंचल का सबसे बड़ा मेला है। इस मेले का आयोजन राज्य पशुपालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

461. राजस्थान के निम्न में से किस क्षेत्र में सीताबाड़ी का मेला आयोजित किया जाता है?

(a) मारवाड़ में (b) मेवाड़ में
(c) बागड़ में (d) हाड़ौती में

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (d) : सीताबाड़ी मेला हड़ौती क्षेत्र के बारां जिले की शाहबाद तहसील के केलवाड़ा गांव के पास सीताबाड़ी नामक स्थान पर आयोजित किया जाता है। यह मेला दक्षिण-पूर्वी राजस्थान की सहरिया जनजाति के सबसे बड़े मेले के रूप में जाना जाता है। इसे 'सहरिया जनजाति के कुंभ' के रूप में भी जाना जाता है।

462. 'सहरिया जनजाति के कुम्भ' के नाम से प्रसिद्ध मेला है-

(a) सीताबाड़ी मेला (b) नागौर मेला
(c) डोल मेला (d) बेणेश्वर मेला

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

463. राजस्थान में सीताबाड़ी का मेला कहाँ आयोजित होता है?

(a) तिलवाड़ा (b) नोखा
(c) केलवाड़ा (d) कोलायत

House Keeper 2022_09.07.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

464. 'सीताबाड़ी आदिवासियों का मेला' किस जिले में लगता है?

(a) बाराँ (b) भरतपुर
(c) जयपुर (d) बांसवाड़ा

संगणक भर्ती परीक्षा -2021
Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

465. राजस्थान के निम्न में से किस क्षेत्र में सीताबाड़ी का मेला आयोजित किया जाता है?

(a) मारवाड़ में (b) मेवाड़ में
(c) बागड़ में (d) हाड़ौती में

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

466. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला 'कानन मेला' से संबंधित है?

(a) टोंक (b) करौली
(c) बाड़मेर (d) उदयपुर

Puskalyadyaksh Grade III 2018 Exam-19.09.2020

Ans. (c) : राजस्थान का 'कानन मेला' बाड़मेर जिला से संबंधित है। गैर नृत्य इसका प्रमुख आकर्षण है।

467. 'करणीमाता' का मेला कहाँ लगता है।

(a) पाली (b) अजमेर
(c) बीकानेर (d) जोधपुर

Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (c) : करणीमाता का मेला चैत्र और आश्विन माह की नवरात्र में बीकानेर के देशनोक में लगता है। यहाँ पर स्थित मंदिर को चूहों के मंदिर के नाम से जाना जाता है।

468. भर्तृहरि मेला राजस्थान के किस जिले में लगता है?

(a) अजमेर (b) अलवर
(c) सवाई माधोपुर (d) सिरोही

RPSC School Lect. -2017
कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर)परीक्षा-2018
Pashudhan Sahayak Date. 04.06.2022

Ans. (b) : भर्तृहरि का मेला राजस्थान के अलवर जिले में भाद्रपद अष्टमी को लगता है। यहाँ पर भर्तृहरि का एक मंदिर है। मेला इसी मंदिर के आस-पास लगता है जहाँ हजारों श्रद्धालु एकत्र होकर पूजा-अर्चना करते हैं।

469. राजस्थान में चन्द्रभागा मेला अक्टूबर-नवम्बर में कहाँ आयोजित किया जाता है?

(a) कामां (भरतपुर) (b) माउण्ट आबू
(c) चित्तौड़गढ़ (d) झालरापाटन

कनिष्ठ अभियंता (विद्युत/ यांत्रिक)-2020
कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा -2018
Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (d) : प्रत्येक वर्ष राजस्थान का चंद्रभागा मेला देश भर के हजारों आगंतुकों और प्रतिभागियों का स्वागत करता है। कार्तिक महीने (अक्टूबर-नवम्बर) में झालवाड़ा से लगभग छः किमी. की दूरी पर झालारापाटन में यह मेला आयोजित किया जाता है।

470. 'चन्द्रभागा मेला' राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में आयोजित किया जाता है?

(a) जयपुर (b) झालावाड़
(c) जैसलमेर (d) जालौर

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

471. अमृता देवी की स्मृति में खेजड़ली शहीद मेला कब लगता है?

(a) भाद्रपद शुक्ल अष्टमी (b) कार्तिक शुक्ल दशमी
(c) आषाढ़ शुक्ल दशमी (d) भाद्रपद शुक्ल दशमी

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (d) – अमृता देवी की स्मृति में खेजड़ली शहीद मेला भाद्रपद शुक्ल दशमी को जोधपुर में लगता है। 1730 ई. में खेजड़ली गाँव में अमृता देवी के नेतृत्व में 363 विश्नोई समाज के लोगों ने खेजड़ी वृक्ष की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया। विश्नोई समाज को पर्यावरण व जीव प्रेमी के नाम से जाना जाता है।